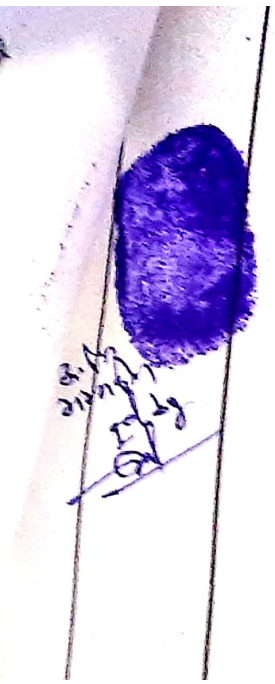

14/12/16. प्रार्थी का मूल वाद विदड़ा होकर निर्णीत हो चुका है अतः प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाता है पत्रावली नम्बर से कम होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर की जावे।

[signature]

... अधिकारी
... (राजस्व)